कृपया शुल्क राशि 80,000 रूपये जो डिमांड ड्राफ्ट (D.D.) के द्वारा "प्राचार्या, उर्सुलाइन प्राथमिक शिक्षिका शिक्षा महाविद्यालय, लोहरदगा" (Principal, Ursuline Primary Teachers' Education College Lohardaga) के नाम पर देय होगा। जो एक ही डिमांड ड्राफ्ट पर स्वीकार्य होगा।

* छात्रावास शुल्क डिमांड ड्राफ्ट (DD), जो Lohardaga Charitable Ursuline TTC Society के नाम देय होगा।

**छात्रावास शुल्क**

| | | |
|---|---|---|
| नामांकन शुल्क | – | 2000.00 |
| मेस फीस | – | 3000.00 (मासिक) |
| सीट रेन्ट | – | 8000.00 (वार्षिक) |

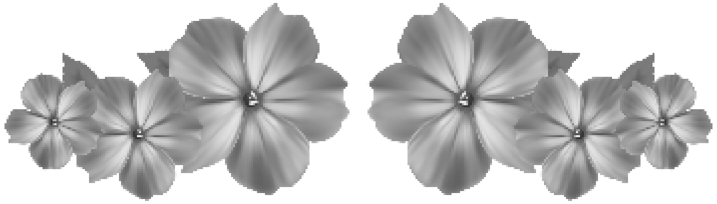



# Ursuline Primary Teachers' Education College

Lohardaga - 835302, Jharkhand

**Recognized by :**

**National Council For Teacher Education (N.C.T.E.)**

**Code No : BR-E/E-4/96**

**&**

**Affiliated by :**

**Jharkhand Academic Council, Ranchi (J.A.C)**

**Letter No : JAC/1282/06**

**Session 2024-2026**

# Prospectus

**Contact us : 7488956156**
**Website : www.uptecl.org**

# Contents


1. Introduction
2. Description
3. Vision Statement
4. The Name "Ursuline"
5. St. Ursula
6. St. Angela
7. Fr. John Lambertz
8. College Emblem
9. Aims & Objectives
10. Eligibility for Admission
11. Medium of Teaching
12. Office Timings
13. How to Apply
14. Submission of Application Forms
15. Course Description
16. Admission Procedure
17. At The Time of Admission
18. Rules and Regulations
19. Placement
20. Class Timings
21. Fee Structure




03.20 बजे अपराह्न – 04.00 बजे अपराह्न – आठवीं घंटी

21. शिक्षण शुल्क का ढाँचा सत्रानुसार :–

| | | प्रथम वर्ष 2024–2025 | द्वितीय वर्ष 2025–2026 |
|---|---|---|---|
| **क.** | **शिक्षण शुल्क** | | |
| 1. | लाईब्रेरी | 1000.00 | 1000.00 |
| 2. | विज्ञान/शा. प्रयोगशाला | 1000.00 | 1000.00 |
| 3. | खेल–कूद और व्यायाम | 1000.00 | 1000.00 |
| 4. | कॉमन रूम | 1000.00 | 1000.00 |
| 5. | महाविद्यालय परीक्षा | 1000.00 | 1000.00 |
| 6. | शिक्षण सामग्रियाँ | 500.00 | 500.00 |
| 7. | सेमिनार एवं कार्य शिविर | 1000.00 | 1000.00 |
| 8. | रख–रखाव | 3000.00 | 3500.00 |
| 9. | बिजली | 2000.00 | 2500.00 |
| 10. | कार्य–अनुभव | 500.00 | 500.00 |
| 11. | आकस्मिक व्यय | 1500.00 | 1500.00 |
| 12. | शिक्षण अभ्यास | 500.00 | 500.00 |
| 13. | सामाजिक सम्मेलन | 500.00 | 500.00 |
| | **कुल योग** | **14,500.00** | **15,500.00** |
| **ख.** | **महाविद्यालय शुल्क** | | |
| 1. | नामांकन | 2000.00 | – |
| 2. | अनुतोषिक | 4,000.00 | 2000.00 |
| 3. | विकास शुल्क | 5,000.00 | 3000.00 |
| 4. | कम्प्यूटर | 5,000.00 | 4,000.00 |
| 5. | भवन निधि | 4,500.00 | 2,500.00 |
| 6. | कोर्स शुल्क | 45,000.00 | 50,000.00 |
| | **कुल योग** | **65,500.00** | **61,500.00** |
| | **कुल योग क+ख** | **80,000.00** | **77,000.00** |

14. यदि प्राचार्या की राय में किसी कारणवश, किसी प्रशिक्षणार्थी के महाविद्यालय में बने रहने से महाविद्यालय के सर्वोत्तम हित की हानि हो, तो कोई कारण बताए बिना, प्राचार्या ऐसी छात्रा को महाविद्यालय छोड़ देने का आदेश दे सकती है।

## 19. स्थान निर्धारण

1. जिन सफल अभ्यर्थियों के प्राप्तांकों का पूर्ण योग कम से कम **75 प्रतिशत** होगा, उन्हें प्रतिष्ठित घोषित किया जाएगा।
2. जिन सफल अभ्यर्थियों के प्राप्तांकों का पूर्ण योग कम से कम **60 प्रतिशत** होगा, उन्हें प्रथम श्रेणी में रखा जाएगा।
3. जिन सफल अभ्यर्थियों के प्राप्तांकों का पूर्ण योग कम से कम **45 प्रतिशत** होगा, उन्हें द्वितीय श्रेणी में रखा जाएगा।
4. शिक्षण समिति जैसा प्रारूप निर्धारित करेगी, वैसे प्रारूप में सफल अभ्यर्थियों को प्रमाण–पत्र दिया जाएगा।

## 20. कक्षा का समय

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 08.15 बजे प्रातः | – | 09.00 बजे प्रातः | – | अध्ययन |
| 09.00 बजे पूर्वाह्न | – | 09.45 बजे पूर्वाह्न | – | पहली घंटी |
| 09.45 बजे पूर्वाह्न | – | 10.00 बजे पूर्वाह्न | – | असेम्बली |
| 10.00 बजे पूर्वाह्न | – | 10.40 बजे पूर्वाह्न | – | दूसरी घंटी |
| 10.40 बजे पूर्वाह्न | – | 11.20 बजे पूर्वाह्न | – | तीसरी घंटी |
| 11.20 बजे पूर्वाह्न | – | 12.00 बजे मध्याह्न | – | चौथी घंटी |
| 12.00 बजे मध्याह्न | – | 01.15 बजे अपराह्न | – | भोजनावकाश |
| 01.15 बजे अपराह्न | – | 01.55 बजे अपराह्न | – | पाँचवीं घंटी |
| 01.55 बजे अपराह्न | – | 02.35 बजे अपराह्न | – | छठी घंटी |
| 02.35 बजे अपराह्न | – | 03.20 बजे अपराह्न | – | सातवीं घंटी |



## 1. INTRODUCTION

Ursuling Primary Teachers' Education College, Lohardaga is established, run and managed by the Ranchi Ursuline Society.

It is a Christian religious minority institution, established and administered according to the provisions of article 29 and 30 of the Constitution of India.

## 2. DESCRIPTION

Ursuline Primary Teachers' Education College, Lohardaga is affiliated with Jharkhand Academic Council, Ranchi since 2006. It is also recognized by the National Council for Teacher Education (N.C.T.E) Bhubaneswar with an intake of 100 students for each new academic year until further order. After two years of training, the Jharkhand Academic Council, Ranchi. The successful students are given a certificate. Being a catholic college, its goals and activities are pervaded by a strong sense of the divine who alone gives meaning to life.

## 3. URSULINE EDUCATION - (VISION STATEMENT)

We, the Ursuline Sisters of Tildonk in India, are called to be contemplatives-in-action, walking on the way of Jesus in solidarity with those most in need. Following the spirituality of St. Angela Merici and Fr. John Lambertz, we are inspired to read the signs of the times and to listen to what the spirit is telling us in the present context of India. We find that rapid technological changes have created a world marked by opposites, globalization, religious, fundamentalism, consumerism and ethnic, nationalism are powerful forces confronting us today.

The media has a great impact on the lives of our students. The privileged classes want to maintain their privileges.

We also see poverty, illiteracy, exploitation, especially of women and children, terrorism, casteism, religious persecution, economic marginalization, environmental degradation and displacement of peoples.

St. Angela's love for God and Fr. John Lambert's deep faith in Him remain as a dynamic force in us to encounter the down-trodden with the compassionate love of the father, to liberate them and give them to hope of a new life. Through our ministry of education, we are called in a special way "That they may have life, and have it in its fullness" (John 10:10). True to the charism of our Founders we discern and respond to the changing needs of the people.

Our ministry or education aims at accompanying persons towards fullness of life and their integral development, especially those belonging to the marginalized and exploited sections of the society. This ministry demands of us all a high intellectual standard and a value system to find meaning in life. Through education. We strive to enable people to become effective agents of social change to be persons with and for others.

<u>Therefore, we will focus on the following points :-</u>

- We guide our students to an awareness of God through spiritual leadership, prem for an adult response in faith.
- We provide systematic religious programmes & opportunities for students to integrate their faith, and culture with daily living.
- An Ursuline College is a home where every student is loved and respected. Therefore, we forster universal solidarity movement of value education for peace in the religious, social and cultural context of India today.



8. किसी भी सैद्धान्तिक, व्यावहारिक पढ़ाई और सामुदायिक कार्यों में न आ सकने की स्थिति में प्राचार्या से अग्रिम अनुमति लेना अनिवार्य है। ऐसी स्थिति के लिए लिखित आवेदन पत्र देना होगा।
9. बोर्ड परीक्षा के लिए **<u>90 प्रतिशत</u>** वर्ग उपस्थिति आवश्यक है।
10. सर्टिफिकेट सत्यापन के उपरान्त यदि किसी प्रशिक्षणार्थी का सर्टिफिकेट जाली पाया जाता है, तो किसी पूर्व सूचना बगैर प्रशिक्षणार्थी महाविद्यालय से तुरन्त **<u>निष्कासित</u>** की जाएगी।
11. प्रशिक्षणार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे महाविद्यालय की सम्पत्ति की रक्षा करेंगी और परिसर को साफ–सुथरा रखने में सहयोग देंगी।
12. कक्षा में या महाविद्यालय परिसर में प्रशिक्षणार्थी का व्यवहार ऐसा होगा कि सहपाठियों या अन्य कक्षाओं को कोई बाधा न हो।
13. महाविद्यालय की पोशाक लाल पाड़ साड़ी और सफेद ब्लाउज, गुलाबी साड़ी और गुलाबी ब्लाउज, सफेद सलवार तथा सफेद कुर्ता एक जोड़ा काली जूती और एक जोड़ा सफेद मोजा है।

    जिन प्रशिक्षणार्थियों का चयन होगा, वे महाविद्यालय से ही लाल पाड़ साड़ी, गुलाबी साड़ी और सफेद सलवार तथा सफेद कुर्ता आदि महाविद्यालय से खरीदें। इसके अलावा एक अच्छी रंगीन साड़ी (पाड़ के साथ) रखना आवश्यक है।

लोहरदगा में नामांकित विद्यार्थी को इस कार्यक्रम के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का निर्वाह वैसे ही करना है, जैसे किसी व्यवसायिक कार्यक्रम की प्रकृति के साथ किया जाता है। अपेक्षा की जाती है कि छात्राएँ प्रत्येक क्षेत्र में श्रेष्ठता का लक्ष्य रखेंगी और महाविद्यालय परिसर में उनका व्यवहार एक जिम्मेवार एवं प्रतिष्ठित व्यक्ति जैसा होगा।

3. शिक्षा सत्र में सभी प्रदर्शन एवं आलोचना कक्षाओं में तथा अध्यापन–अभ्यास के दौरान अपनी नियत अभ्यास कक्षाओं में प्रशिक्षणार्थी की उपस्थिति अनिवार्य है। महाविद्यालय अधिकारियों द्वारा निर्दिष्ट किसी भी स्कूल में पढ़ाना है।

4. यह एक प्रशिक्षण महाविद्यालय है, अतः यहाँ कुछ ऐसा प्रावधान नहीं है **कि स्वयं अपने या किसी अन्य के ब्याह की अथवा मातृत्व अवकाश एवं अन्य उत्सव आदि की छुट्टी दी जाए।**

5. महाविद्यालय के सारे समारोहों, जैसे–सांस्कृतिक समारोह, सेमिनार, विचार गोष्ठी, वाद–विवाद प्रश्नोत्तरी, निबंध प्रतियोगिता, खेल–कूद, पिकनिक, सामुदायिक जीवन, एक्सपोजर कार्यक्रम आदि में प्रशिक्षणार्थी को उपस्थित रहना होगा।

6. **यदि कोई प्रशिक्षणार्थी महाविद्यालय में दाखिला लेकर महाविद्यालय छोड़ देती है, कारण जो भी हो ऐसी स्थिति में किसी भी हालत में कोई भी फीस वापस नहीं होगा।**

7. **शैक्षणिक भ्रमण प्रशिक्षण कार्यक्रम का एक अंग है। इसलिए सभी प्रशिक्षणार्थियों को जाना आवश्यक है।**



- Along with our collaborators we accompany the youth of times, and commit ourselves to provide an education that will enable them to be physically strong, intellectually empowered, emotionally mature, spiritually nurtured and sensitive to social issue.
- We promote education for improvement of girls and women, in order to build up a healthy family, community and society.
- We, through our ministry of education, are called to be reconcilers in a fragmented world.

## 4. THE NAME "URSULINE"

The Ursula was a virgin and martyr in the 4th century A.D., who was highly venerated in the West as the patroness of educators and the youth. This virgin martyr's undivided love for Christ even to the point of martyrdom had inspired St. Angela deeply.

## 6. ST. ANGELA

Angela was born in Desenzano, in North Italy on 21 March 1474. She became a tertiary of St. Francis of Assisi. She served people of all ranks. She began to teach catechism to children, and thus revived the faith life of the families. She also cared for the most neglected, those suffering from syphilis, a deadly disease at the time caused by immoral and sinful living.

On 25th November, 1535, Angela founded the "Company of St. Ursula", in Brescia, Italy. Her aim was a educate children and women, and thus renew the families transform the society and give it a new life. Angela wished her follower never to abandon their apostolate among the youth.

It was Angela's deep humility to wish that while her SPIRIT should remain alive in the Institute, it was nevertheless not to be named after her, the Foundress. In Imitation of this, today in India, there is a large number of education institutions which bear the name of St. Ursula.

## 7. FR. JOHN LAMBERTZ

John Lambertz was born at Hoogstraten in Belgium on 8th February, 1785. In response to God's call he left behind his successful career of a Chemist and later became the Parish Priest of Tildonk. At that time Tildonk was in a state of spiritual destitution.

With the help of three generous young women he began educating children, especially girls, believing that they in turn would change their families and renew the face of the Church and the society at large.

The little group of Sisters increased in number and a Religious Congregation was born. They were given the Constitutions of the Ursulines of Bordeaux, France, who had been founded by St. Angela Merici. Fr. John Lambertz called his Sisters "Daughters of St. Ursula". Thus today we are called "The Ursuline Sister of the Congregation of Tildonk."

## 8. THE COLLEGE EMBLEM

**Open Book Knowledge :** Training the students in leadership and self reliance, development of their aptitudes and potentialities, spiritual integrity, intellectual growth, physical strength, psychological and emotional maturity, artistic, athletic sense.



7. **साक्षात्कार के समय सभी मूल प्रमाण–पत्र दिखाना अनिवार्य है।**

## 17. नामांकन के समय

नामांकन के समय संबंधित मूल प्रमाण–पत्र अभ्यर्थी के पास आवश्यक होना चाहिए।

1. **महाविद्यालय परित्याग प्रमाण–पत्र।**
2. **सभी पंजीयन पत्र, प्रवेश, अंक पत्र, मूल प्रमाण–पत्र।**
3. **आवासीय प्रमाण–पत्र (डिजीटल)।**
4. **अनुसूचित जनजाति/अनुसूचित जाति/पिछड़ी जाति के लिए विद्यार्थियों की जाति और आय प्रमाण–पत्र (डिजीटल)।**
5. **स्वास्थ्य परीक्षण प्रमाण–पत्र।**
6. **आधार कार्ड (U.I.D)**
7. **मतदाता प्रमाण पत्र**
8. **हाल का पासपोर्ट आकार का छः रंगीन फोटो (आकार 5X4 वर्ग सें. मी.)**

## 18. नियमावली

1. उर्सुलाइन प्राथमिक शिक्षिका शिक्षा महाविद्यालय, लोहरदगा, एक आवासीय विद्यालय है जिसमें सभी प्रशिक्षणार्थियों को छात्रावास में रहना अनिवार्य है। वे ही छात्राएं बाहर से आ सकती है जिनका स्थायी निवास लोहरदगा है।
2. उर्सुलाइन प्राथमिक शिक्षिका शिक्षा महाविद्यालय,

नवम पत्र : पर्यावरण अध्ययन 1—सामाजिक विज्ञान शिक्षण—
— विषय—वस्तु सह शिक्षण विधि

दशम पत्र : पर्यावरण अध्ययन 2—सामान्य विज्ञान शिक्षण—
— विषय—वस्तु सह शिक्षण विधि

3. <u>व्यावहारिक :</u>

एकादश पत्र : शिक्षण अभ्यास

द्वादश पत्र : कम्प्यूटर

त्रयोदश पत्र : कार्यानुभव एवं शारीरिक शिक्षा

चतुर्दश पत्र : सामुदायिक जीवन

## 16. <u>नामांकन की प्रक्रिया</u>

1. जिस अभ्यर्थी का आवेदन प्रपत्र सभी प्रमाण—पत्रों के साथ पूर्ण हो, वह प्रवेश परीक्षा के योग्य मानी जाएगी।
2. आवेदन पत्र स्वीकारते समय अभ्यर्थी को प्रवेश—पत्र दिया जाएगा।
3. लिखित परीक्षा **05 मई 2024** को होगी जो दो घंटों की होगी। **समय 9 पूर्वाह्न से 11 पूर्वाह्न तक।**
4. इंटरव्यू दो दिन का होगा, पहले दिन प्रवेश परीक्षा के बाद साक्षात्कार होगा, एवं बाकी बचे हुए सभी परीक्षार्थी का साक्षात्कार दूसरे दिन 06 मई 2024 को होगा।
5. लिखित परीक्षा के बाद **05 मई 2024 (समय 1.00 से 4.00 बजे अपराह्ल तक)** साक्षात्कार में शामिल होंगे।
6. चयनित परीक्षार्थियों की सूची महाविद्यालय के वेबसाइट एवं सूचना पट्ट द्वारा **25 मई 2024** को दी जाएगी।



**<u>Diya Responsibility</u> :** Creating a suitable climate for the trainees by providing them the necessary condition and opportunities for their growth as full-fledged and effective teachers, conscious of their responsibility for nation - building.

**<u>Charka (Service)</u> :** Inculcating in them the spirit of universal fellowship, equality, justice and peace.

## 9. <u>AIMS AND OBJECTIVES OF THE COLLEGE</u>

The main objectives of Ursuline Primary Teachers' Education College are :

- To train the students to become effective and committed teachers who are spiritually integrated and women leaders of character.
- To offer the youth such an education for life that walking in the path of truth, love, justice and peace they become promoters of progress in the country.

In its academic and co-curricular activities, <u>the college aims at the following :-</u>

- To acquaint the trainees with human and moral value, so that they may live the present and future with confidence by making right choices of these values.
- To being harmony between their faith-life and demand for justice.
- To let them experience that fidelity to their commitment depends upon the vitality of their confidence.
- To train the traineers in such a way that as truly committed and collaboratives teachers, they may contribute towards the building up of a new society though new technology and social change.

To educate the girls and young women in a spirit of **SERVICE TO THE HUMANITY IS THE MAIN AIM AND OBJECTIVE** of this institute. The priorities of this Institution are not only to attain academic excellence in education, but also formation of girls and young women in discipline, hard work, moral and religious value.

These priorities are meant :-

- To prepare them for life, by promoting intellectual development, uprightness of character, emotional maturity, sprite of healthy competition and sportsmanship.
- To gain moral sensitivity to the needs and rights of other, especially the poor.
- To inculcate in them religious tolerance, national unity and integration.

It is the primary aim of college that the student who take their training here, become integrated and well-formed guides who will companion the young learners in their journey of becoming fully human, fully alive.

## 10. ELIGIBILITY FOR ADMISSION

### 1. Academic

A) Science and Arts Intermediates and Graduates may apply with College Leaving Certificate.

B) As per National Council for Teacher Education (NCTE) Norms a candidate should have secured at least 50% marks in the senior secondary (+2) or its equivalent examination are eligible for Admission.

C) The reservation for ST, SC, OBC and other categories shall be as per the rules of the central government/state government, which ever is applicable. There shall be relaxation of 5% marks in favour of SC/ST/OBC and other categories of candidates.



आवासीय प्रमाण पत्र

6. आधार कार्ड।

7. चरित्र प्रमाण–पत्र उस अंतिम कॉलेज से जहाँ से छात्र उत्तीण हो कर निकली है।

8. स्वास्थ्य परीक्षण प्रमाण–पत्र।

9. शिक्षण अनुभव प्रमाण–पत्र (यदि हो तो)

10. अन्य सहभागी क्रिया–कलापों का प्रमाण–पत्र (यदि हो तो)

## 15. पाठ्यक्रम का विवरण

झारखण्ड अधिविद्य परिषद् द्वारा प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसरण छात्राएँ करेंगी।

पाठ्यक्रम इस प्रकार है :–

1. फाउन्डेशन कोर्स :

प्रथम पत्र : नवोदित भारतीय समाज में शिक्षा एवं शिक्षण।

द्वितीय पत्र : शिक्षा मनेविज्ञान।

तृतीय पत्र : विद्यालय संगठन, निर्देशन एवं परामर्श।

चतुर्थ पत्र : शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं मूल्यांकन।

2. विषयवस्तु सह शिक्षण विधि :

पंचम पत्र : हिन्दी भाषा शिक्षण–विषय–वस्तु सह शिक्षण विधि

पष्ठम पत्र : अंग्रेजी शिक्षण–विषय–वस्तु सह शिक्षण विधि

सप्तम पत्र : संस्कृत शिक्षण–विषय–वस्तु सह शिक्षण विधि

अष्टम पत्र : गणित शिक्षण–विषय–वस्तु सह शिक्षण विधि

11. <u>प्रशिक्षण का माध्यम</u>

प्रशिक्षण का माध्यम **हिन्दी** है और सिर्फ झारखण्ड के प्राथमिक विद्यालयों में अभ्यास–पाठ देने की व्यवस्था है।

12. <u>कार्यकाल का समय</u>

महाविद्यालय सोमवार से शुक्रवार तक 8:30 पूर्वाह्न से 12:00 मध्याह्न और 1:30 से 4:30 अपराह्न तक तथा शनिवार को 8:30 बजे पूर्वाह्न से 12:30 मध्याह्न तक

13. <u>आवेदन कैसे भरें</u>

महाविद्यालय कार्यालय से आवेदन–पत्र प्राप्त कर अभ्यर्थी स्वंय विधिवत् भरें और संबद्ध प्रमाण–पत्र आदि के साथ महाविद्यालय कार्यालय में नियत **30 अप्रैल 2024** तक जमा करें।

14. <u>आवेदन पत्रों की स्वीकृति</u>

निम्नलिखित प्रमाण पत्रों की छाया–प्रतियाँ स्वाहस्ताक्षरित (सत्यपित या टंकिक प्रतियाँ नहीं) आवेदन–पत्र के साथ संलग्न होनी चाहिए।

1. मैट्रिक, आई.ए., आई.एस.सी.,+2, बी. ए. का कॉलेज परित्याग पत्र और पंजीयन रसीद।
2. मैट्रिक, आई.ए., आई.एस.सी, +2, बी. ए. का प्रवेश पत्र।
3. मैट्रिक, आई.ए., आई.एस.सी, +2, बी. ए. का अंक–पत्र।
4. मैट्रिक, आई.ए., आई.एस.सी, +2, बी. ए. का मूल प्रमाण पत्र।
5. अनुसूचित जनजाति/अनुसूचित जाति/ पिछड़ी जाति के विद्यार्थियों के लिए जाति प्रमाण–पत्र एवं आय प्रमाण–पत्र एवं



2. <u>**Age Limit**</u>

| | | |
|---|---|---|
| For ST/SC | : | 32 years |
| For others | : | 29 years |

11. <u>**MEDIUM OF TEACHING**</u>

The medium of teaching is Hindi and it is permitted to arrange for teaching practice only in the Primary Schools in Jharkhand.

12. <u>**OFFICE TIMINGS**</u>

The college will ordinarily be open from Monday to Friday 8.30 AM to 12.00 noon and 1.30 PM to 4.30 PM and on Saturdays 8.30 AM to 12.00 noon.

13. <u>**HOW TO APPLY**</u>

Application forms may be had from the college office. It is to be duly filled in by candidate herself, and submitted to the office along with the relevant documents, by **30th April 2024.**

14. <u>**SUBMISSION OF APPLICATION FORMS**</u>

Self attested Photocopies of the following certificates (not attested, not typed copies) should be attached to the Application form :-

1. Admit card of I.A., I.Sc.,+2
2. Matric, I.A., I.Sc., +2, B.A. Marksheet.
3. Matric, Intermediate Board Certificate.
4. College Leaving Certificate.
5. Caste and Income Certificate for ST/SC/OBC students.
6. U.I.D. Card
7. Residential Certificate

8. Character Certificate from the college last attended.
9. Medical Certificate.
10. Teaching experience Certificate (if any)
11. Any other Certificate of co-curricular activities if any.

## 15. COURSE DESCRIPTION

Students will follows the course prescribed by Jharkhand Academic Council, Ranchi for Primary Teacher Education.

The Courses are the following :-

**I. Foundation Course :**

Foundation Paper I : Education and the Teacher in the Emerging Indian Society.

Foundation Paper II : Education and Psychology

Foundation Paper III : School Organization, guidance and Counseling.

Foundation Paper IV : Education Technology and Evaluation.

**II. Content-Cum Methodology :**

Paper V : Hindi-Content-cum-Methodology
Paper VI : English-Content-cum-Methodology
Paper VII : Sanskrit-Content-cum-Methodology
Paper VIII : Math-Content-cum-Methodology
Paper IX : Social Science 1-Content-cum-Methodology
Paper X : General Science 2-Content-cum-Methodology

**III. Practical :**

Paper XI : Teaching Practice
Paper XI : Computer
Paper XIII : Work experience and Physical Education
Paper XIV : Community life



की भावना जगाना, विशेषकर गरीबों के प्रति।

+ धार्मिक सहिष्णुता तथा राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता का भाव बढ़ाना जो विद्यार्थी यहाँ प्रशिक्षण ग्रहण करती हैं, वे एक परिपक्व एवं सुयोग्य मार्गदर्शक बनें जो मासूम विद्यार्थियों का मित्र बनकर उन्हें एक पूर्ण एवं सजीव–सक्रिया व्यक्ति बनाने में सहायक हो सकें, यह इस महाविद्यालय का परम लक्ष्य है।

## 10. नामांकन के लिए योग्यता

1. शैक्षणिक

(क) विज्ञान और कला में इन्टरमीडिएट एवं स्नातक अभ्यर्थी महाविद्यालय परित्याग प्रमाण–पत्र के साथ आवेदन कर सकती है।

(ख) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (एन.सी.टी.ई.) के मानकों के अनुसार अभ्यर्थी को किसी भी मान्यता प्राप्त इन्टरमीडिएट परिषद् में कम से कम 50 प्रतिशत होना अनिवार्य है।

(ग) अनुसूचित जन–जाति/अनुसूचित जाति/पिछड़ा वर्ग के लिए केन्द्रिय सरकार/राज्य सरकार के मानकों के अनुसार 5% छूट दी जाती है।

2. आयु सीमा

(क) नामांकन के समय अभ्यार्थी की उम्र सीमा **18** वर्ष होना चाहिए।

(ख) अनुसूचित जन–जाति/अनुसूचित जाति के लिए **32** वर्ष।

(ग) अन्य –**29** वर्ष।

निम्नलिखित हैं –

- प्रशिक्षणार्थियों कों मानवीय एवं नैतिक मूल्यों का परिचय देना। ताकि इन मूल्यों का सही चयन करके वे वर्त्तमान और भविष्य में विश्वास के साथ जीवन यापन कर सकें।
- उनके विश्वास के जीवन तथा समाजिक न्याय के मांग के बीच समन्वय स्थापित करना।
- प्रशिक्षणार्थियों को यह अनुभूति करना हैं कि उनके समर्पण के प्रति विश्वसनीयता उनके विश्वास की तेजस्विता पर निर्भर करती है।
- प्रशिक्षणार्थियों को इस प्रकार प्रशिक्षित करना कि वे सचमुच एक समर्पित एवं सहयोगी शिक्षिका के रूप में नयी तकनीकी तथा सामाजिक परिवर्त्तन के द्वारा एक नये समाज की रचना में अपना योगदान दें।

युवतियों में मानव–समाज की सेवा प्रति समर्पण की भावना के लिए प्रशिक्षित करना ही इस संस्था का परम लक्ष्य एवं उद्देश्य है इस संस्था की शिक्षा में न केवल शैक्षणिक विशिष्टता को प्राथमिकता दी जाती है, वरन् युवतियों में अनुशासन, कठिन परिश्रम, नैतिक एवं धार्मिक मूल्यों को आत्मसात् करने की भावना को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया जाता है।

इन प्राथमिकताओं का प्रायोजन है :–

युवतियों में बौद्धिक विकास, उत्तम चरित्र सांवेदिक परिपक्वता,

- स्वस्थ्य प्रतियोगिता एवं निष्पक्ष खिलाड़ी की भावना द्वारा भावी जीवन के लिए तैयार करना।
- दूसरों की आवश्यकताओं एवं अधिकारों के प्रति संवेदनशीलता



## 16. ADMISSION PROCEDURE

1. A candidate whose application from is complete with the required document will be eligible for the Entrance Test.
2. The Admit card will be issued to the candidates when the application from is accepted.
3. (a) The written entrance Test will be held on **05th May 2024.**

   (b) The test will be two hours duration (9.00 A.M.to 11.00 AM); Candidates will face the interview on **05th May 2024** just after the entrance test **(Timing 1.00 pm to 4.pm)**

   (c) Interview will be of two days. There will be an interview on the first day after the entrances exam, the interview of all the remaining students will be completed on the second day **06th May 2024.**
4. Final Result will be given on College website **uptecl.org** & office notice board.

   Final result - **25th May 2024.**
5. All original certificates and mark-sheets should be shown on the day of the interview.

## 17. AT THE TIME OF ADMISSION

All relevant Original Certificates must be available with the candidate at the time of admission.

The following **Original Certificate** should be admitted in the office :

1. College Leaving Certificate.
2. Matric, I.A., B.A.-Registration Card, Admit Card, Mark Sheet, Board Certificate.
3. Medical Certificate.
4. Caste and Income (Digital) Certificate for ST/SC/OBC students.
5. Residential (Digital) Certificates.

6. U.I.D. Card
7. Voter ID Card.
8. Six recent passport size colored photos. (size 5x4 sq.cm)

## 18. RULES AND REGULATIONS

1. Ursuline Primary Teachers' Education College, Lohardaga is residential college. So all the trainees have to be hostel. Exept those whose house is permanent in the Lohardaga.

2. A student admitted to Ursuline Primary Teachers' Education College, Lohardaga, must maintain as ethos of commitment, as it is done in any professional programme. She is expected to aim at excellence in every sphere and conduct herself in a responsible and dignified manner in the College Campus.

3. The trainee must attend all **Demonstration and Criticism classes** during the course as well as teaching practice classes. The trainee is expected to teach in any school assigned by the college authorities.

4. Since this is a training college, there is no such thing as leave for one's or others' functions/feasts etc.

5. All the trainees have to attend all the college functions and activities, such as cultural functions, seminars, symposia, debates, quizzes, essay competitions, sports, picnic, community living, exposure programme etc.

6. **Education Tour is a part of the training programme, and all the trainees have to join it.**

7. Prior permission is required from the Principal for any absence either from Theory of Practical classes and community life activities. Application should be made for leave in writing.

9. After the verification of the certificates, if any trainee's certificate is found false and fake, the student will be told to leave the training without prior information.



संघ की शुरूवात बेल्जियम गाँव में 30 अप्रैल 1818 ई. में हुई। इसलिए हम "टिलडोंक की उर्सुलाइन धमबहनें" कहलाती है।

## 8. कॉलेज का प्रतीक चिन्ह खुली किताब (ज्ञान)

छात्राओं को नेतृत्व एवं आत्मनिर्भरता का प्रशिक्षण देना, उनकी क्षमता तथा अंतर्निहित प्रतिभाओं का विकास करना, आध्यामिक सम्पूर्णता और बौद्धिक उन्नति, शारीरिक शक्ति, मनोवैज्ञानिक एवं भावनात्मक परिपक्वता की वृद्धि, कलात्मक तथा खेल – कूद के प्रति रूचि बढ़ाना।

दीया (उत्तरदायित्व) :– प्रशिक्षणार्थियों के बीच सुव्यवस्थित वातावरण तैयार करना और उनके विकास के लिए उचित अवसर देना ताकि वे एक परिपक्व एवं प्रभावकारी शिक्षिका बने तथा देश – निर्माण के लिए अपने उत्तरदायित्व के प्रति सजग रहें।

चक्र (सेवा) :– उनके बीच विश्वव्यापक मैत्रीभाव, समानता, न्याय और शांति जागृत करना।

## 9. महाविद्यालय के लक्ष्य एवं उद्देश्य

उर्सुलाइन प्राथमिक शिक्षिका शिक्षा महाविद्यालय के मुख्य लक्ष्य ये हैं –

- छात्राओं को प्रभावपूर्ण एवं समर्पित शिक्षिका बनने का प्रशिक्षण देना जिससे वे धार्मिक रूप से परिपक्व और एक चरित्रवान नेत्री बनें।
- युवावर्ग को जीवन के लिए ऐसी शिक्षा देना कि वे सत्य, प्रेम, न्याय और शांति के पथ पर चलते हुए देश को उन्नति की ओर अग्रसर करें।

अपने शैक्षणिक तथा क्रिया–कलापों में महाविद्यालय के उद्देश्य

अंजेला अपने अनुयायियों से सही आशा रखती थी कि वे युवावर्ग के बीच अपना प्रेरिताई कार्य कभी न त्यागें।

यह संत अंजेला की विनम्रता थी कि यद्यपि वे चाहती थी कि उनकी आध्यात्मिकता धर्मसंघ में हमेशा जीवित रहे, पर संस्था का नाम –करण उनके नाम से पुकारा जाए। जो भी वे इस संस्था की संस्थापिका थी, उन्होंने इस धर्मसंघ का नाम संत उर्सुला के नाम पर रखा। यही कारण है कि आज भारत में बड़ी संख्या में ऐसी शिक्षण संस्थाँए हैं, जो "उर्सुलाइन" संस्था के नाम पर जानी जाती हैं।

7. फा. जोन लम्बर्ट्स

जोन लम्बर्ट्स का जन्म 8 फरवरी 1785 ई. में बेल्जियम के हांग्स्त्रातन शहर में हुआ था। ईश्वरीय बुलाहट को पहचानकर उन्होंने अपने औषध –विक्रेता जैसे सफल व्यवसाय को त्याग दिया और बाद में वे टिलडोंक के पल्ली पुरोहित बन गए। उस समय धार्मिक एवं नैतिक दृष्टिकोण से टिलडोंक की स्थिति अत्यंत दयनीय थी। तीन उदार साहसी युवतियों की सहायता से उन्होंने विशेषकर बालिकाओं को धर्मशिक्षा देना शुरू किया, क्योंकि उनका विश्वास था कि वे बालिकायें आगे चलकर अपने परिवारों में परिवर्तन लाएगी और इस प्रकार कलीसिया तथा समाज को एक नया रूप प्राप्त होगा। कुछ ही समय में धर्मबहनों की संख्या में वृद्धि हुई और नये धर्मसंघ का जन्म हुआ। फादर लम्बर्ट्स ने इस छोटे धर्मसंघ को फ्रांस के बोर्डो शहर में स्थित संत अंजेला मेरिची द्वारा स्थापित उर्सुलाइन धर्मसंघ की नियमावली देकर उसे अंजेला मेरिची के संघ का एक अंग बना दिया और इन धर्मबहनों को "संत उर्सुला की पुत्रियाँ" कहा। इस



10. The trainees are expected to take proper care of the college property and help maintain the premises neat and tidy.

11. **If any trainees leaves the college, college will not return any fee.**

12. The conduct of a trainee in the class as well as on the premises of the college will be such as to cause no disturbance to fellow students or to other classes.

13. The college uniform is red border saree and white blouse. Therefore each selected candidate should buy red border saree, pink saree and white Salwar Suit from the college. Besides this, one coloured saree will also be needed.

14. If for any reason the continuance of a trainee in the college, in the opinion of the Principal, is detrimental to the best interest of the college without giving reason for her decision.

## 19. PLACEMENT

1. Successful candidates securing at least 75% marks in the aggregate, shall be declared to have obtained distinction.
2. Successful candidates securing at least 60% marks in the aggregate, shall be placed in the First Division.
3. Successful candidates securing at least 45% marks in the aggregate shall be placed in the Second Division.
4. The successful candidates shall be given certificates such in Form as the Academic Council may prescribe.

## 20. CLASS TIMINGS

| | | |
|---|---|---|
| 08.15 a.m. - 09.00 a.m. | : | Study |
| 09.00 a.m. - 09.45 a.m. | : | First Period |
| 09.45 a.m. - 10.00 a.m. | : | Assembly |
| 10.00 a.m. - 10.40 a.m. | : | Second Period |
| 10.40 a.m. - 11.20 a.m. | : | Third Period |
| 11.20 a.m. - 12.00 noon | : | Fourth Period |
| 12.00 noon - 01.15 p.m. | : | **Lunch Break** |
| 01.15 p.m. - 01.55 p.m. | : | Fifth Period |
| 01.55 p.m. - 02.35 p.m. | : | Sixth Period |

| | |
|---|---|
| 02.35 p.m. - 03.20 p.m. : | Seventh Period |
| 03.20 p.m. - 04.00 p.m. : | Eight Period |

## 21. FEE STRUCTURE FOR U.P.E.T.C. COURSE

| A. Scholars Fund | Ist year 2024-2025 | II Year 2025-2026 |
|---|---|---|
| 1. Library | 1000.00 | 1000.00 |
| 2. Science & Phy Lab | 1000.00 | 1000.00 |
| 3. Sports & Games | 1000.00 | 1000.00 |
| 4. Common Room | 1000.00 | 1000.00 |
| 5. College Exam | 1000.00 | 1000.00 |
| 6. Teaching Appliances | 500.00 | 500.00 |
| 7. Seminars + Workshops | 1000.00 | 1000.00 |
| 8. Maintenance | 3000.00 | 3500.00 |
| 9. Electricity | 2000.00 | 2500.00 |
| 10. Work Experience | 500.00 | 500.00 |
| 11. Contingency | 1500.00 | 1500.00 |
| 12. Practice Teaching | 500.00 | 500.00 |
| 13. Social Function | 500.00 | 500.00 |
| **Total** | **14,500.00** | **15,500.00** |
| **B. College fees** | | |
| 1. Admission | 2,000.00 | - |
| 2. Gratuity | 4,000.00 | 2000.00 |
| 3. Development | 5,000.00 | 3000.00 |
| 4. Computer | 5,000.00 | 4,000.00 |
| 5. Building Fund | 4,500.00 | 2,500.00 |
| 5. Course Fee | 45,000.00 | 50,000.00 |
| **Total** | **65,500.00** | **61,500.00** |
| **Grand Total A+B** | **80,000.00** | **77,000.00** |



+ शिक्षण–कार्य द्वारा हम जगत के टूटे हुए रिश्तों को फिर से जोड़ने एवं मेल–मिलाव करने के लिए बुलाई गई हैं।

## 4. "उर्सुलाइन" नाम का प्रयोजन

उर्सुलाइन प्राथमिक शिक्षिका शिक्षा महाविद्यालय का नाम उर्सुलाइन धर्मबहनों की संरक्षिता संत उर्सुला के नाम पर रखा गया है।

## 5. संत उर्सुला

संत उर्सुला चौथी शताब्दी की एक कुंवारी शहीद थी, जो पश्चिमी देशों के शिक्षक–शिक्षिकाओं एंव युवावर्ग की संरक्षिका के रूप में मानी जाती थी। इस शहीद संत का ख्रीस्त के प्रति अनन्य प्रेम जो उसे शहादत से भी वंचित नहीं कर सका, संत अंजेला को अत्याधिक प्रेरणा देता था।

## 6. संत अंजेला

संत अंजेला का जन्म उत्तरी इटली देश डेसेन्जानों में 21 मार्च 1474 ई. में हुआ था। वे संत फ्रांसिस असीसी के तृतीय संघ की सदस्य बन गयीं। कोई भी वर्ग का व्यक्ति उनकी सेवा से वंचित नहीं था। उन्होंने बच्चों को धर्मशिक्षा देना शुरू किया। उन दिनों अनैतिकता के कारण अधिकतर लोगों के बीच सिफिलिस नामक जान–लेवा बीमारी फैली हुई थी। ऐसे लोग समाज में तिरस्कृत थें। अंजेला का जीवन उनकी सेवा में समर्पित रहा।

25 नवम्बर 1535 ई. में अंजेला ने ईटली के ब्रेंसिया शहर में "संत उर्सुला" संघ की स्थापना की। उनका मुख्य ध्येय था – बच्चों और महिलाओं को शिक्षा देना ताकि परिवारों का नवीनीकरण हो, समाज में बदलाहट आए और उसका नवनिर्माण हो सके। संत

हमसे एक उच्च स्तर के बुद्धिजीवी बनने एंव उच्च मूल्यों पर आधारित जीवन–प्रणाली द्वारा जीवन का अर्थ पाने की अपेक्षा करता है। शिक्षण–कार्य के द्वारा हम व्यक्तियों को सामाजिक परिवर्तन के प्रभावकारी एजेंट बनाने में प्रयत्नशील हैं ताकि वे ऐसे व्यक्ति बने जो दूसरों के साथ और दूसरों के लिए समर्पित हों।

**अतः हम निम्नलिखित तथ्यों पर पहल करती हैं :–**

- हम विद्यार्थियों को आध्यात्मिक नेतृत्व द्वारा ईश्वरीय अनुभूति की ओर निर्देशित करती हैं, और उन्हें इस ईश्वरीय विश्वास में प्रौढ़ प्रत्युत्तर देने के लिए अनुप्राणित करती है।
- हम विद्यार्थियों का एक सुव्यवस्थित धार्मिक कार्यक्रम देकर उनके विश्वास तथा संस्कृति को दैनिक जीवन में समन्वित करने के लिए उचित अवसर प्रदान करती हैं।
- उर्सुलाइन प्रशिक्षण महाविद्यालय एक ऐसा घह है जहाँ प्रत्येक विद्यार्थी प्यार एवं सम्मान का अनुभव करती है। अतएव, आधुनिक भारत के धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवेश के संदर्भ में हम सर्वधर्म समन्वय द्वारा मूल्यों पर आधारित शांति को बढ़ावा देती हैं।
- अपने सहयोगियों से मिलकर हम आज के युवावर्ग को ऐसी शिक्षा का प्रावधान कराने की चेष्टा करती हैं जिससे वे शारीरिक सामर्थ्य, बौद्धिक क्षमता, परिपक्व मनोभाव एवं आध्यात्मिक परिपुष्टता से लैस होकर समाज की समस्याओं के प्रति संवेदनशील व्यक्ति बन सकें।
- हमारी शिक्षण–सेवा, बालिका एंव नारी–सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है ताकि सुदृढ़ परिवार, समुदाय एवं समाज की संरचना हो।



# विषय सूची

1. प्रस्तावना
2. विवरण
3. दर्शनोक्ति
4. ''उर्सुलाइन'' नाम का प्रयोजन
5. संत उर्सुला
6. संत अंजेला
7. फा॰ जोन लम्बर्ट्स
8. कॉलेज का प्रतीक चिन्ह
9. महाविद्यालय के लक्ष्य और उद्देश्य
10. नामांकन के लिए योग्यता
11. प्रशिक्षण का माध्यम
12. कार्यालय का समय
13. आवेदन कैसे भरें
14. आवेदन पत्रों की स्वीकृति
15. पाठ्यक्रम का विवरण
16. नामांकन की प्रक्रिया
17. नामांकन के समय
18. नियमावली
19. स्थान – निर्धारण
20. कक्षा का समय
21. शुल्क का ढाँचा

## 1. प्रस्तावना

उर्सुलाइन प्राथमिक शिक्षिका शिक्षा महाविद्यालय, लोहरदगा, राँची उर्सुलाइन सोसाइटी द्वारा स्थापित, संचालित एवं प्रबंधित है। यह एक खीस्तीय धार्मिक अल्पसंख्यक संस्थान है जो भारतीय संविधान की धारा 29 और 30 के अंतर्गत स्थापित एवं संचालित है।

## 2. विवरण

उर्सुलाइन प्राथमिक शिक्षिका शिक्षा महाविद्यालय, लोहरदगा एक प्रस्वीकृत शिक्षण संस्थान है, जो सन् 1912 ई॰ में स्थापित किया गया है। इसे झारखण्ड अधिविद्य परिषद् राँची से सन् 2006 में संबद्धता प्राप्त हुई है। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (एन.सी.टी.ई.) भुनेश्वर से भी अब हर नए सत्र में 100 छात्राओं को नामांकन के लिए अगले आदेश तक मान्यता मिल गई है। दो वर्षों के प्रशिक्षणार्थी झारखण्ड अधिविद्य परिषद् राँची द्वारा आयोजित परीक्षा में सम्मिलित होते हैं। उत्तीर्ण छात्राओं को प्रमाण–पत्र दिया जाता है।

यह एक कैथोलिक महाविद्यालय है जहाँ मान्यता है कि इसके लक्ष्यों और कार्यकलापों में व्याप्त दृढ़ ईश्वरीय भाव ही जीवन को सार्थकता देता है।

## 3. दर्शनोक्ति : उर्सुलाइन शिक्षण

हम, टिलडोंक की उर्सुलाइन धर्मबहनें, भारतवर्ष में, अपने प्रेरिताई–कार्यों में ध्यानपरायणता बरतते हुए, येसु की राह पर चलकर, सबसे अधिक जरूरतमंदों के साथ सहानुभूति रखने के लिए बुलाई गयी है। संत अंजेला मेरिची और फा. जोन लम्बर्ट्स



की आध्यात्मिकता का अनुसरण करते हुए हम समय की माँग को पहचानकर, वर्त्तमान भारत के परिवेश में पवित्रात्मा के आह्वान को सुनने के लिए अनुप्रेरित हैं।

हम इस तथ्य से भिज्ञ हैं कि विकासशील तकनीकीकरण के बदलाव ने ऐसी दुनिया रच दी है जिसके फलस्वरूप अनेक विपरित परिस्थितियाँ पैदा हो गई है। वैश्वीकरण, धार्मिक रूढ़िवाद, उपभोगवाद एवं जातीय राष्ट्रीयकरण जैसी शक्तिशाली ताकतों का हमें मुकाबला करना पड़ रहा है। आज संचार माध्यमों का गहरा असर हमारे विद्यार्थियों पर पड़ता है। विशेषाधिकृत वर्ग अपने विशेषाधिकारों को बरकरार रखना चाहते है। हमारे बीच गरीबी, अशिक्षा, शोषण, विशेषताः महिला एवं बाल–शोषण, आतंकवाद, जातिवाद, धार्मिक अत्याचार, आर्थिक सीमाबंदी, पर्यावरण–प्रदूषण एवं विस्थापन जैसे कुतत्त्व पनप रहे हैं।

संत अंजेला का ईश्वरीय प्रेम एवं फा. जोन लम्बर्ट्स का ईश्वर पर अडिग विश्वास हमारे लिए ऐसी सक्रिया शक्तियाँ बनकर विद्यमान हैं, जिनके बल पर हम ईशपित् तुल्य प्रेम से दबे हुओं को स्वतंत्र करने एवं उनमें नवजीवन की आशा भरने में समर्थ होती है। अपने शिक्षण–कार्यों द्वारा हम विशेष तौर से बुलाई गई हैं "ताकि वे जीवन प्राप्त करें, बल्कि जीवन की सम्पूर्णता प्राप्त करें।" **(योहन 10:10)** अपने संस्थापकों के करिश्मों पर सही उतरने की चेष्टा में आज के बदलते युग तथा समाज के लोगों की आवश्यकताओं का सही चयन एवं उनका प्रत्युत्तर देने का प्रयास करती हैं।

हमारे शिक्षण कार्य का मुख्य उद्देश्य है : व्यक्तियों को जीवन की सम्पूर्णता एवं उनके सर्वांगीण विकास की ओर ले चलना, विशेषतः समाज के निम्न तबके एवं शोषित वर्ग के लोगों को। यह शिक्षण–कार्य